स्टडी टुडे एटलस भारत एवं विश्व सेटेलाइट इमेज के नवीनतम तकनीकों द्वारा प्रसंस्कृत रंगीन मानचित्रों एवं अद्यतन आँकड़ों का एक संग्रह ग्रंथ है। विगत एक दशक से यह मानचित्रावली प्रामाणिक भौगोलिक, राजनैतिक, आर्थिक, जनांकिकी, पर्यावरणीय सूचनाएँ तथा अद्यतन परिवर्तनों से संबद्ध प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को अवगत कराती रही है। 'डिजिटल लेन मॉडल' पर आधारित इन मानचित्रों में उच्चावच की स्पष्टता विशिष्ट है। अंतर्राष्ट्रीय मानचित्रण के उच्चतम स्तरों को ध्यान में रखकर विद्वान भूगोलविद ने विषयक (Thematic) मानचित्रों का भी उत्कृष्ट चित्रण किया है।

* भारत संबंधित प्रथम खंड में आधुनिक भू-राजनैतिक परिवेश की संकल्पना हेतु राज्यों की जनसंख्या, क्षेत्रफल और निर्वाचन संबंधी आँकड़े के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, रेलवे साथ नवीनतम राज्य और जिलों के नक्शे दर्शाए गए हैं। बहुउद्देशीय परियोजना, मैप प्लॉटिंग तकनीक आदि विषयों से युक्त यह भारत का एकमात्र जिला-आधारित एटलस है।

* भूमि, जल, वन, खनिज एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के कृषि एवं उद्योग संबंधी मानचित्र प्रामाणिक आँकड़े के साथ प्रस्तुता में दर्शाए गए हैं।

* महाद्वीप खंड में राष्ट्रों की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ एवं राजधानियाँ द्वितीय खंड में अंकित की गई हैं। महाद्वीप आधारित अध्ययन हेतु अवरोही क्रम में फसल और खनिजों के उत्पादन का नवीनतम डेटा प्रस्तुत करने वाला यह एकमात्र एटलस है।

* एटलस के तृतीय वैश्विक खंड में भौगोलिक, राजनैतिक एवं विषयक मानचित्रों के अतिरिक्त कृषि, उद्योग, खनिज एवं अन्य समाजार्थिक विषय वस्तुओं को भी सम्मिलित किया गया है। इसी खंड में मुद्रित अंतर्राष्ट्रीय संगठन, संयुक्त राष्ट्र का क्षेत्रीय वर्गीकरण आदि इस पुस्तक को अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय पठन सामग्री बनाता है।

* प्रतियोगी परीक्षाओं में उपयोग हेतु चतुर्थ खंड में उच्चावच संबंधी विषयों पर 23 मानचित्रों का मुद्रण किया गया है। इस खंड के प्रत्येक मानचित्र में एक से उच्चावच को भारत एवं विश्व मानचित्र के पर दर्शाया गया है। प्राकृतिक उच्चावचों यथा-पर्वत, पठार, अंतरीप, नदियाँ इत्यादि के स्थानिक वितरण के बोध हेतु उनका भू-स्थानिक विश्लेषण करता है।

लेखकों के विषय में

डॉ. अंशु, भूगोल विभाग, करोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। लगभग बीस वर्षों के अध्यापन अनुभव के साथ इन्होंने अपने प्रोफाइल में अत्यंत शैक्षणिक विभूतियों को समेट कर रखा है। दिसम्बर 1996 में इंडियन जर्नोलाकर, खंड 16 में प्रकाशित सर्वप्रथम रचना- वार्षिकीक एडुकेशन- के साथ ही इनका लेखन जीवन प्रारंभ हुआ। एक कुशल मानचित्रकार के रूप में इन्होंने भूगोल विषय में सभी सोपानों से पर योगदान दिया है। इन्होंने प्रकाशन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में वर्ष 2001 में 'इण्डिया: अर्बन ट्रांसिम सिस्टम' की रचना की। वर्ष 2005 से इन्होंने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) के सदस्य के रूप में भी कक्षा VI, VII एवं VIII में प्रयुक्त भूगोल पुस्तकों के संपादन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

'भारत में शहरीकरण एवं पर्यटन- एक स्थानिक रचनात्मक विश्लेषण' विषय पर डाक्टरेट (Doctorate) की उपाधि ग्रहण करने से पूर्व इन्होंने भारतवर्ष के विभिन्न प्रांतों में अपना शोध कार्य किया। इन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) को 'शिमला में शुष्क-जलवायु परिवर्तन का स्वरूप एवं पद्धति तथा पर्यटन पर इसका प्रभाव' नामक शिर्षक पर भी प्रोजेक्ट कार्य संपादित किया। क्षेत्रीय अध्ययन के क्रम में इन्होंने वर्ष 1995 में 'पैरेयार वन्यजीवन अभ्यारण्य में पर्यटन का सामाजार्थिक प्रभाव', वर्ष 2001 में 'सामाजार्थिक सांस्कृतिक वातावरण पर्यटन के आयाम एवं प्रकार', 2004 में 'भंगुर पर्वत पारिस्थितिकीतंत्र में पर्यटन की महत्ता' इत्यादि विषयों पर भी शोध कार्य सम्पन्न किया। वर्ष 1998 में इन्होंने स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर के अंतर्गत 'स्थानिक पर्यटन योजना में तीरक मुद्दे' पर लेख भी प्रस्तुत किया।

प्रेम सिंह मीणा, *भारतीय प्रशासनिक सेवा*, दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक हैं एवं वर्तमान में सचिव, अनुसूचित जाति एवं जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग, बिहार सरकार के रूप में कार्यरत हैं। मानचित्रकला में विशेष रुचि के कारण ही इन्होंने भूगोल विषयक लेखन के उद्देश्य से अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इनके क्षेत्रीय अनुभवों के योगदान के फलस्वरूप यह मानचित्रावली इस रूप में पाठकों के समक्ष प्रस्तुत हो पाया है।

श्री मीणा के इतर मानचित्र शोध कार्यों के अंतर्गत नगर-क्षेत्र, अंतरिक्ष एवं भू-स्थलाकृतियाँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। इनके क्षेत्रीय अनुभवों एवं मानचित्र कौशल से यह प्रकाशन समूह निश्चित रूप से लाभान्वित हुआ है।

अजीत कुमार की प्रथम पुस्तक 'इण्डिया एंड द वर्ल्ड' का प्रकाशन वर्ष 2002 में हुआ। इस पुस्तक के अंतर्गत स्थान एवं राष्ट्र की राजनीति एवं विचार प्राथमिक संकेंद्रक के विषय थे। स्टडी टुडे समूह में प्रमुख संपादक के रूप में नियुक्त किए जाने के पूर्व इन्होंने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों एवं विश्व भूगोल पर विभिन्न लेखों एवं रचनाओं के माध्यम से अपना योगदान दिया है। इनके मार्गदर्शन में यह प्रकाशन समूह कई अन्य मानचित्रावलियों के प्रकाशन की दिशा में भी अग्रसर है।

www.studytoday.co.in

स्टडी टुडे
संदर्भ पुस्तक
भूगोल / एटलस

कृष्णा नगर, पटना, बिहार-800001
E-mail : studytoday@rediffmail.com

ISBN : 9-38-055801-5
9789380558011

मूल्य : ₹ 282.00

एटलस : भारत एवं विश्व

स्टडी टुडे एटलस

भारत एवं विश्व

- जम्मू और कश्मीर एवं लद्दाख की अद्यतन सीमा
- अद्यतन सीमाओं के साथ भारत के सभी 732 जिले
- नए आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार के पुनरीक्षित आँकड़े
- राष्ट्रीय राजमार्गों की नई संख्या के साथ प्रकाशित प्रथम पुस्तक

डॉ॰ अंशु
प्रेम सिंह मीणा, भा॰प्र॰से॰
अजीत कुमार